Improving the safety and dignity of Sanitation Workers in Madhya Pradesh

Ashoknagar Case Study

Dr. Neha Jain, Chief Executive Officer, Zila Panchayat, Ashoknagar

Photo Credit: Google

Who are Sanitation Workers

Photo Credit: Google

Background, Challenges and Initiatives

SBM Phase-II scenario

- MP rapidly moving towards ODF Plus saturation
- Need to sustain and enhance the achievements under ODF Plus model villages
- Poor cleaning leads to less usage, resulting in gradually defunct infrastructures

Total Districts	Total Blocks	Total Gram Panchayats	SBM Villages
52	313	22,693	50,721
Total ODF Plus Villages	**Model**	**Rising**	**Aspiring**
49,604	34,110	831	14,663

Situation of Sanitation front-line workers

- Crucial role in maintaining public hygiene and health, yet frequently face hazardous conditions, inadequate protective gear, and low wages.
- The social stigma associated with their profession leads to discrimination and limited access to education and healthcare.

MP Initiative

- Roll out of state-wide capacity-building exercise to upskill sanitation workers, departmental officials and functionaries, public representatives from rural local bodies in 2023
- Exercise focused on safe operational protocols, improved engagement and dignified life for sanitation front-line workers
- Continued skilling in 2024

Key Results

1

SENSITIZED DECISION MAKERS

Fifty-two (52) district officials oriented on the safe operation protocol for sanitation workers

2

UPGRADING IN-HOUSE CAPACITY

Two hundred eighteen (218) Master Trainers trained on safety and dignity of Sanitation Workers

3

TRAINED RURAL LOCAL BODY

Two hundred sixty (260) Sarpanch/PRIs sensitized and few of them demonstrated prioritized sanitation workers' safety with the inclusion of PPE kits as part of the village sanitation plan

4

SKILLED SANITATION WORKERS

Six hundred eight (608) sanitation workers from seven districts in thirteen batches skilled on safety procedures

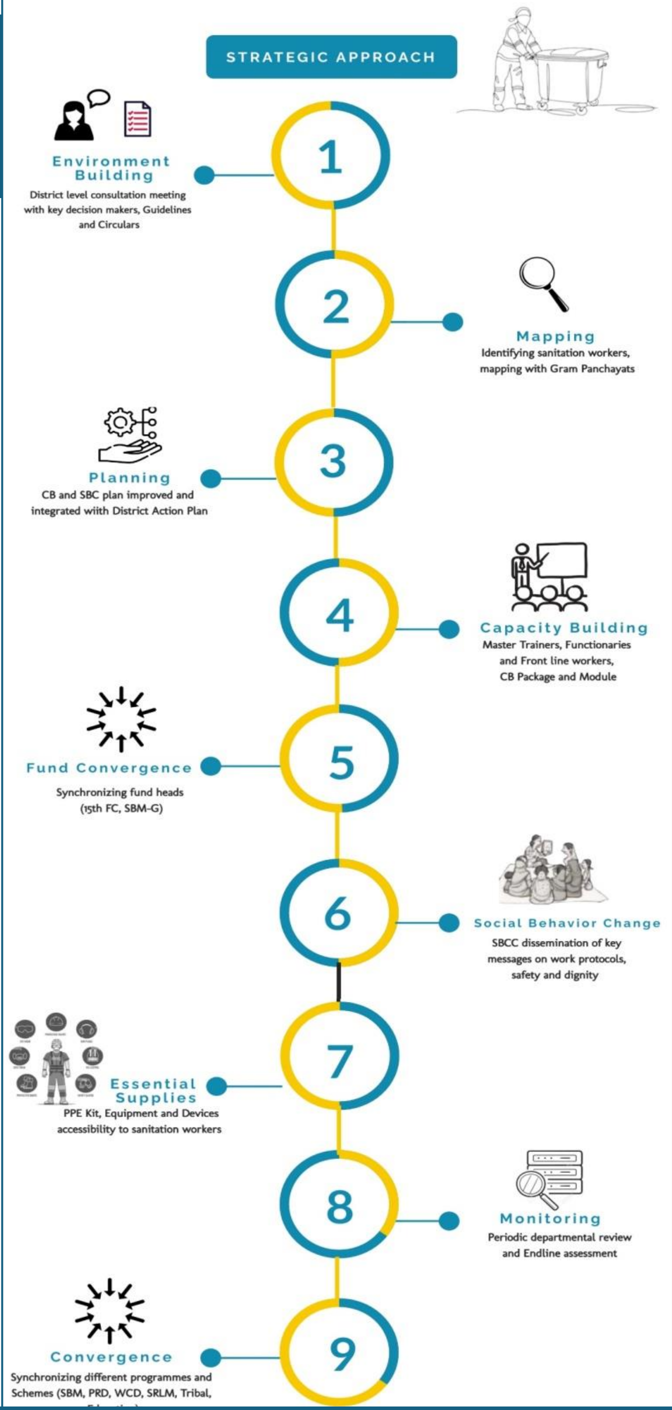

Need for Change

Ashokanagar
Initiative

Mission Swabhiman
02 Oct 24 Onwards

District Profile

Gram Panchayat	328
Villages	796
ODF Plus Villages	762
ODF Plus Modal	576
ODF Plus Rising	04
ODF Plus Aspiring	156

Methodology

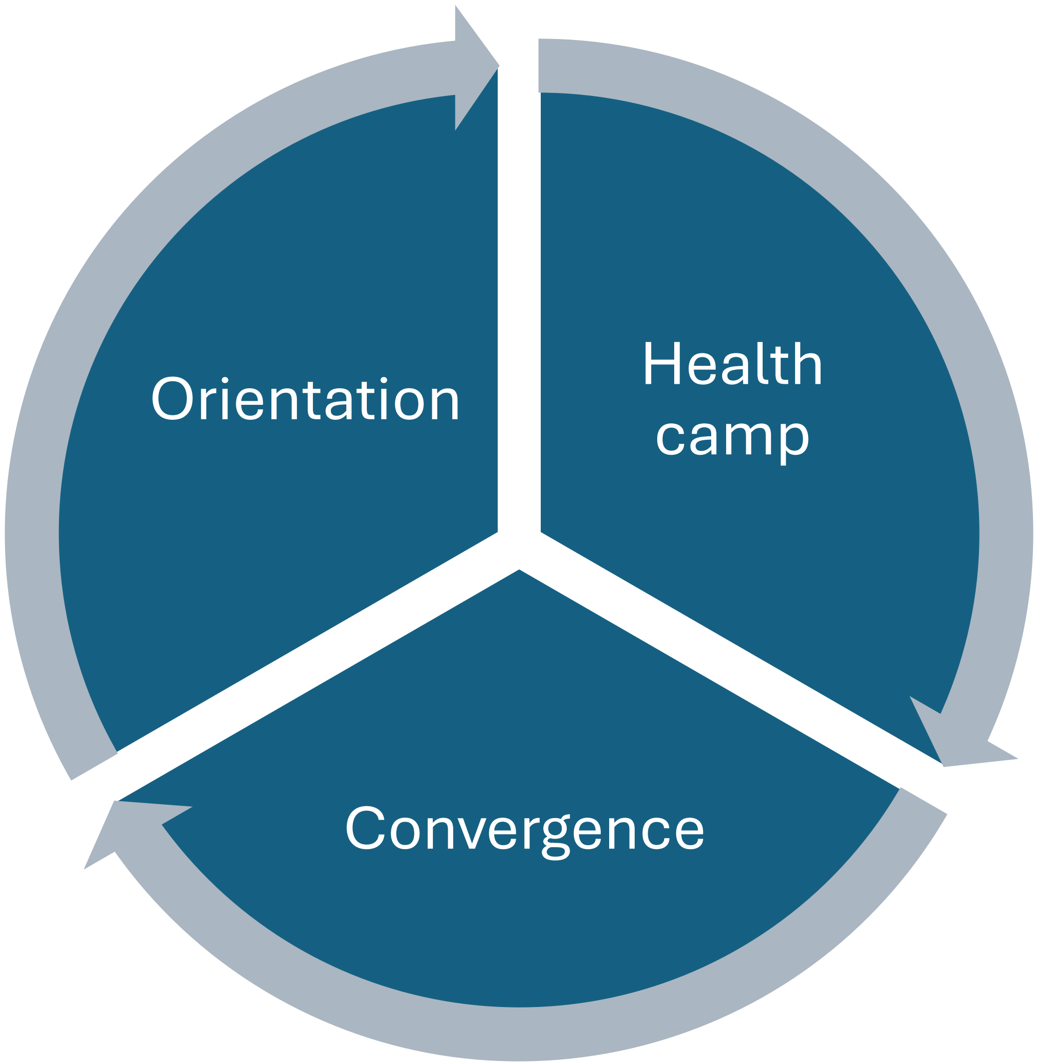

Key Initiatives (4-S)

Key Initiatives

Expanding Social Security Net

Block	GP	# of SW	AADHAR	Samagra ID	Bank Linkage	Jandhan	Health Check-up	Caste Certificate	Ration Card	Ayushman
Ashoknagar	104	112	112	112	111	99	112	68	105	105
Chanderi	55	55	55	55	55	40	55	25	30	54
Isagarh	83	77	75	66	72	28	77	46	71	75
Mungawali	86	76	72	71	72	73	76	46	69	68
District	**328**	**320**	**314**	**304**	**310**	**240**	**320**	**185**	**275**	**302**

Block	GP	# of SW	Kishan Samman Nidhi	Kishan Credit Card	Pradhanmantri Awas	Literacy Mission	PPE Kit	GP Engagement	Skilled	Regular Payment
Ashoknagar	104	112	55	29	65	42	112	88	112	87
Chanderi	55	55	7	6	25	38	55	28	55	55
Isagarh	83	77	64	47	61	69	77	69	77	75
Mungawali	86	76	39	6	22	1	76	11	76	58
District	**328**	**320**	**165**	**88**	**173**	**150**	**320**	**196**	**320**	**275**

Capacity Building

- 320 Sanitation front-line workers
- 428 PRI members
- 42 District level decision maker officials

UNICEF’s technical assistance

- Planning and skilling exercise roll-out support
- Contextualized capacity building package for sanitation worker
- ToT for Master Trainers and Sanitation worker
- Google based Monitoring system with supportive supervision
- Inclusion of critical messages related to sanitation worker’s safety and dignity in state/district communication campaigns

Challenges

- Resource Allocation
- Behavioural Change Resistance
- Training and Capacity Building
- Monitoring and Evaluation
- Supply Chain Management
- Coordination and Collaboration
- Data Management and Transparency

Way Forward

- Refresher Training of Sanitation workers, PRIs and departmental functionaries
- Regularization of Health Camp
- Strengthening GP engagement with a Monthly payment mechanism
- Adoption of SOP for engagement of Sanitation worker
- Streamlining supply chain management for PPE Kit, Cleaning equipment, First Aid kit
- Financial chipping in with NSKFDC and other non-sanitation livelihood
- Deployment as Swachhagrahi
- Inclusion of all sanitation workers under Accidental insurance and Literacy mission

Newspaper Clipping

सफाई मित्रो की सुरक्षा एवं सम्मान पर प्रशिक्षण एक अभिनव पहल : कलेक्टर

ग्रामीण क्षेत्र के सफाई मित्रो को कलेक्टर द्वारा श्रीफल एवं पीपीई किट देकर किया सम्मानित

अशोकनगर (ऊष्मा की आवाज) सफाई मित्रो की सुरक्षा एवं सम्मान एक अभिनव पहल है। समाज को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाने में सफाई मित्रो की अहम भूमिका होती है। इस आशय के विचार कलेक्टर श्री सुभाष कुमार द्विवेदी ने जनपद पंचायत सभागार अशोकनगर में आयोजित सफाई मित्रो के कार्य के दौरान सुरक्षा और सम्मान के बारे में प्रशिक्षित करने के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण के अवसर पर व्यक्त किये। कलेक्टर श्री द्विवेदी ने कहा की सफाई मित्र हमारे समाज को स्वस्थ और स्वच्छ बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अशोकनगर जिले में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण चरण-2 अंतर्गत सभी ग्रामों ने ओडीए निरतंतरता, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन पर व्यवस्थाओं को विकसित कर ग्राम सभाओं में ओडीएफ प्लस ग्रामों के तौर पर घोषित कर वातावरण उपलब्ध किया है। ओडीएफ प्लस गांवों में स्वच्छता की निरंतरता बनाए रखने में सफाई मित्र का महत्वपूर्ण योगदान है। संभागीय सलाहकार स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) ग्वालियर एवं चम्बल संभाग श्री अतुल त्रिवेदी ने कहा कि सुरक्षा प्रोटोकॉल एवं पीपीई किट के संबंध में जानकारी की कमी या अज्ञानता के कारण स्वच्छता मित्र के निजी स्वास्थ्य को भी हानि होती है, इस हेतु उन्होंने सुरक्षा उपकरणों के सही इस्तेमाल पर भी जानकारी प्रदान की। सफाई मित्र ही अग्रिम पंक्ति के ऐसे व्यक्ति है जो गाँव को साफ रखकर लोगों को अनेक बीमारियों से बचाव हेतु सुरक्षा कवच का कार्य करते हैं। उन्होंने सफाई मित्रो की सुरक्षा एवं सम्मान पर की जा रही इस पहल पर सबको जिम्मेदारी से कार्य करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया। प्रशिक्षण में जिला समन्वयक सुश्री सरिता बंसल ने महिला सफाई मित्रो के सामने आने वाली चुनौतियों पर अपने विचार रखे। साथ ही उन्होंने प्रशिक्षण के मुख्य बिन्दु यथा सुरक्षित सफाई कार्य मानक संचालन प्रक्रिया, ओडीएफ प्लस, स्वच्छता कर्मियों हेतु शासकीय योजनायें , सुरक्षा उपकरण उपयोग के सही तरीके, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन व्यस्व्था तथा अधोसंरचनों के रख-रखाव पर प्रतिभागियों का मार्गदर्शन दिया। सीईओ जनपद श्री संदीप यादव ने बताया की स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अपने दूसरे चरण में प्रवेश कर गया है, जो खुले में शौच मुक्त वातावरण को बनाए रखने और ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन के प्रबंधन के प्रयासों पर केंद्रित है। इसके तहत बनाई गई स्वच्छता सम्बंधित संपत्तियों को बनाए रखने के लिए विशेषज्ञता और उचित प्रोटोकॉल के साथ निरंतर संचालन की आवश्यकता होती है और कई बार सफाई मित्र इसे करने की जिम्मेदारी के साथ महत्वपूर्ण दल होते हैं।

सफाई मित्रो की सुरक्षा एवं सम्मान पर प्रशिक्षण एक अभिनव पहल-कलेक्टर

ग्रामीण क्षेत्र के सफाई मित्रो को कलेक्टर ने श्रीफल एवं पीपीई किट देकर किया सम्मानित

नगर चिंगारी | अशोकनगर

सफाई मित्रो की सुरक्षा एवं सम्मान एक अभिनव पहल है। समाज को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाने में सफाई मित्रो की अहम भूमिका होती है। इस आशय के विचार कलेक्टर श्री सुभाष कुमार द्विवेदी ने जनपद पंचायत सभागार अशोकनगर में आयोजित सफाई मित्रो के कार्य के दौरान सुरक्षा और सम्मान के बारे में प्रशिक्षित करने के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण के अवसर पर व्यक्त किये।

कलेक्टर श्री द्विवेदी ने कहा की सफाई मित्र हमारे समाज को स्वस्थ और स्वच्छ बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अशोकनगर जिले में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण चरण-2 अंतर्गत सभी ग्रामों ने ओडीएफ निरतंतरता, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन पर व्यवस्थाओं को विकसित कर ग्राम सभाओं में ओडीएफ प्लस ग्रामों के तौर पर घोषित कर वातावरण उपलब्ध किया है। ओडीएफ प्लस गांवों में स्वच्छता की निरंतरता बनाए रखने में सफाई मित्र का महत्वपूर्ण योगदान है।

संभागीय सलाहकार स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) ग्वालियर एवं चम्बल संभाग श्री अतुल त्रिवेदी ने कहा कि सुरक्षा प्रोटोकॉल एवं पीपीई किट के संबंध में जानकारी की कमी या अज्ञानता के कारण स्वच्छता मित्र के निजी स्वास्थ्य को भी हानि होती है, इस हेतु उन्होंने सुरक्षा उपकरणों के सही इस्तेमाल पर भी जानकारी प्रदान की। सफाई मित्र ही अग्रिम पंक्ति के ऐसे व्यक्ति है जो गाँव को साफ रखकर लोगों को अनेक बीमारियों से बचाव हेतु सुरक्षा कवच का कार्य करते हैं। उन्होंने सफाई मित्रो की सुरक्षा एवं सम्मान पर की जा रही इस पहल पर सबको जिम्मेदारी से कार्य करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया।

प्रशिक्षण में जिला समन्वयक सुश्री सरिता बंसल ने महिला सफाई मित्रो के सामने आने वाली चुनौतियों पर अपने विचार रखे। साथ ही उन्होंने प्रशिक्षण के मुख्य बिन्दु यथा सुरक्षित सफाई कार्य मानक संचालन प्रक्रिया, ओडीएफ प्लस, स्वच्छता कर्मियों हेतु शासकीय योजनायें , सुरक्षा उपकरण उपयोग के सही तरीके, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था तथा अधोसंरचनों के रख-रखाव पर प्रतिभागियों का मार्गदर्शन दिया।

सीईओ जनपद श्री संदीप यादव ने बताया की स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अपने दूसरे चरण में प्रवेश कर गया है, जो खुले में शौच मुक्त वातावरण को बनाए रखने और ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन के प्रबंधन के प्रयासों पर केंद्रित है। इसके तहत बनाई गई स्वच्छता सम्बंधित संपत्तियों को बनाए रखने के लिए विशेषज्ञता और उचित प्रोटोकॉल के साथ निरंतर संचालन की आवश्यकता होती है और कई बार,सफाई मित्र इसे करने की जिम्मेदारी के साथ महत्वपूर्ण दल होते हैं। इसलिए सफाई मित्र की क्षमता संवर्धन एवं कौशल उन्नयन अत्यन्त आवश्यक है।

प्रशिक्षण में श्री अमर यादव स्वच्छता निरीक्षक नगरपालिका अशोकनगर ने व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई किट) के उचित प्रोटोकॉल का प्रदर्शन, सफाई मित्रो के लिए लागू विभिन्न योजनाओं की जानकारी, ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन, मल कीचड़ और सेप्टेज प्रबंधन (एफएसएसएम), सफाई मित्र की वर्तमान स्थितियों पर चर्चा की। इसके साथ ही इस प्रशिक्षण में आए समस्त सफाई मित्रो को शासन की विभिन्न योजनाओं प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्जवला योजना, डे-एनयूएलएम योजना, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं राशन कार्ड हेतु जानकारी दी गई। सफाई मित्रों को सुरक्षा उपकरण के साथ पीपीई के नियमित उपयोग के बारे में जागरूक किया। जिससे सफाई मित्रों को काम के दौरान उनके जीवन की सुरक्षा के साथ-साथ ग्राम की सफाई कार्य भी आसानी से हो सके।